MARKING SCHEME CLASS-XI BUSINESS STUDIES 2023-24

अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएं।

The objective of the marking scheme is to make evaluation as objective as possible. The answer points given in the marking scheme are not final. These are suggestive and indicative. If the candidate has given different but suitable answers from these, then he should be given suitable marks.

Suggested Answers	Marking
	Scheme
(बी) असीमित	1
(B) Unlimited	
(बी) थोक व्यापारी	1
(B) Wholesaler	
(बी) कंपनी रजिस्ट्रार	1
(B) Registrar of Companies	
(सी) ए और बी दोनों	1
(C) Both A and B	
(सी) पेटेंट	1
(C) Patent	
(ए) अल्पकालीन वित्त	1
(A) Short term finance	
(बी) ब्याज	1
(B) Interest	
	(बी) असीमित (B) Unlimited (बी) थोक व्यापारी (B) Wholesaler (बी) कंपनी रजिस्ट्रार (B) Registrar of Companies (सी) ए और बी दोनों (C) Both A and B (सी) पेटेंट (C) Patent (ए) अल्पकालीन वित्त (A) Short term finance

8	(डी) ₹ 10 करोड़	1
	(D) ₹ 10 crore	
9	(ए) कथन 1 सत्य है लेकिन कथन 2 असत्य है।	1
	(A) Statement 1 is true but statement 2 is false.	
10	(बी) कथन 1 असत्य है लेकिन कथन 2 सत्य है।	1
	(B) Statement 1 is false but statemen 2 is true.	
11	कम्प्यूटर सिस्टम, इंटरनेट कनेक्शन	1
	Computer system, internet connection	
12	व्यवसाय, पेशा, रोज़गार	1
	Occupation, profession, employment	
13	दोनों पक्ष ग्राहक (उपभोक्ता) होते हैं।	1
	Both the parties are customers (consumers).	
14	10	1
15	51%	1
16	रॉयल्टी	1
	Royalties	
17	पार्षद सीमानियम	1
	Memorandum of association	
18	असत्य	1
	False	
19	असत्य	1
	False	
20	असत्य	1
	False	

21	थोक विक्रेताओं द्वारा फुटकर विक्रेताओं को प्रदान की जाने वाली सेवा: i. माल की पूर्ति में सुविधा ii. वित्तीय सहायता iii. परामर्श संबंधी सेवाएं iv. नए उत्पादों की सूचना v. पैकिंग सुविधा आदि	(1x3) (1 अंक प्रत्येक बिंदु के लिए)
	Services provided by wholesalers to retailers: i. Convenience in supply of goods ii. Financial help iii. Consultancy Services iv. New products information v. Packing facilities etc.	(1 mark for each point)
22	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभः	(1 अंक प्रत्येक
	i. विदेशी मुद्रा की प्राप्ति	बिंदु के लिए)
	ii. सं <mark>साधनों का अधिक</mark> क्षमता से उपयोग	
	iii. वि <mark>कास की संभावनाएं</mark>	
	iv. रोजगार में वृद्धि आदि	½ mark for the
	Advantages of International Trade:	heading+½
	i. Foreign exchange	mark for the
	ii. More efficient use of resources	explanation
	iii. Development prospects	
	iv. Increase in employment etc.	

23		
	ई-कॉमर्स के लाभ:	
	i. विश्व स्तर पर पहुंच	(1/2 अंक
	ii. नए उत्पाद को लाने में आसानी	प्रत्येक बिंदु
	iii. पूर्ति श्रृंखला में कमी	के लिए)
	iv. सरल वितरण प्रणाली	
	v. इंटरनेट द्वारा शंकाओं का तुरंत समाधान	
	vi. कर्मचारी लागत में कमी	
	vii. समय की बचत आदि	$(\frac{1}{2}x6)$ any 6 points
	Advantages of E-Commerce:	
	i. Global reach	
	ii. Ease of introducing new products	
	iii. Supply chain shortfalls	
	iv. Simplification of delivery system	
	v. Instant resolution of doubts through internet	
	vi. Employee cost reduction	
	vii. Time saving etc.	
	अथवा	
	Or	
	ई-व्यवसाय <mark>एवं पारंपरिक व्य</mark> वसाय में अंतर	
	i. स्थाप <mark>ना</mark>	(1x3)
	ii. 24x7 <mark>ਤਪਕਵੰਪਗ</mark>	
	iii. शारीरिक <mark>उपस्थिति</mark>	
	iv. स्थापना की <mark>लागत</mark>	
	v. व्यवहार में लगने वाला समय आदि	
	Differences between e-business and traditional business:	(Any 3 points)
	i. Establishment	
	ii. 24x7 availability	
	iii. Physical presence	
	iv. Cost of establishment	
	v. Difference in transaction time etc.	

मानवीय कारणः ऐसा जोखिम जो मन्ष्यों की असावधानी, बेईमानी या जल्दबाजी के कारण होता है। कर्मचारियों की बेर्डमानी, ग्राहकों की बेईमानी, हड़ताल, तालाबंदी आदि इसके कारण है। (1x 3)<u>आर्थिक कारण:</u> फैशन में परिवर्तन, मूल्यों में परिवर्तन, प्रतियोगिता 1 Mark for का प्रभाव आदि कारण हो सकते हैं। each point <u>प्राकृतिक कारण:</u> इसके अंतर्गत मौसमी परिवर्तन, भूकंप, बिजली गिरना, टिड़डी दल का हमला आदि कारण हो सकते हैं। **Human Causes:** Such risks occur due to carelessness, haste of human beings, dishonesty of employees, dishonesty of customers, strike, lockout etc. **Economic Causes**: Changes in fashion, changes in prices, effect of competition etc. can be the reason. Natural causes: Under this, weather changes, earthquakes, lightning, strikes, locust attack etc. can be the reason. अथवा Or पेशे का अभि<mark>प्राय ऐसी आर्थिक</mark> क्रिया से है जिसमें विशेष ज्ञान व कुशलता के आधार पर एक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों को निर्देशन, मार्ग दर्शन या परामर्श देता है। विशेषताएं:-(1+2)विशेष ज्ञान एवं तकनीकी कौशल औपचारिक प्रशिक्षण ii. प्रतिनिधि पेशेवर संघ का होना iii. आचार संहिता iv. सेवा भावना को प्राथमिकता Meaning of Profession refers to such an economic activity in which a profession, any 4 person gives direction, guidance or advice to other features people on the basis of special knowledge and expertise. (Just Features: headings) Special knowledge and technical skills Formal training ii. Representative professional association 111. Code of conduct

iv.

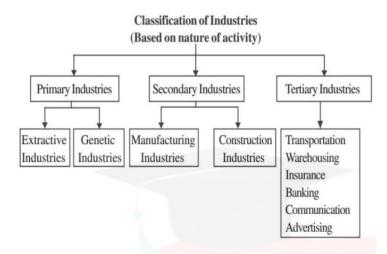
v.

Service motive

25	लघु उद्योग की समस्याएं	(1x4)
	i. अक्षम प्रबंधन	A 4
	ii. बुनियादी ढांचे की कमी	Any 4 points and
	iii. तकनीकी अप्रचलन	explanation
	iv. कच्चे माल की सीमित उपलब्धता	
	v. मार्केटिंग की समस्या	(1mark for
	vi. बड़े पैमाने के उद्योगों और आयात के साथ प्रतिस्पर्धा	each point)
	vii. समय पर और पर्याप्त ऋण की अनुपलब्धता	
	Problems of Small Scale Industries:	
	i. Inefficient management	
	ii Lack of infrastructure	
	iii. Technological obsolescence iv. Limited availability of raw materials	
	v. Marketing problem	
	vi. Competition with large scale industries	
	and MNCs	
	viii. N <mark>on-availability</mark> of timely and adequate credit facilities	
26	(A) निवे <mark>शकों के प्रति सा</mark> माजिक उत्तरदायित्वः	
	i. <mark>पूंजी की सुरक्षा प्र</mark> दान करना	
	ii. <mark>उचित लाभांश दे</mark> ना	
	iii. सही समय पर लाभांश का भुगतान कर <mark>ना</mark>	
	iv. संस्था की वास्तविक प्रगति से अवगत करवाना	(2+2)
	v. पूंजी का सद् पयोग	any 4 points
	(B) कर्मचारियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्वः	in each case
	i. उचित पारिश्रमिक देना	
	ii. कार्य की अच्छी दशाएं देना	
	iii. लाभ में हिस्सा प्रदान करना	
	iv. नौकरी की सुरक्षा प्रदान करना	
	v. प्रबंध में भागीदारी देना	
	vi. शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था करना	
	vii. पदोन्नति एवं विकास के अवसर प्रदान करना।	

	(A) Social Responsibility towards the investors:	
	i. Safety of funds	
	ii. Fair dividend	
	iii. Timely payment of dividends	(1 1 nainta
	iv. To inform about the actual progress of the	(4-4 points for each)
	organization v. Wealth maximisation	Tor cac iny
	vi. Optimum use of capital	1/2 mark for
	(B) Social Responsibility towards Employees:	each point
	i. Fair wages	
	ii. Good working conditions	
	iii. Profit sharing	
	iv. Job security	
	v. Participation in management	
	vi. Providing training time to time	
	viii. Providing opportunities for promotion	
	and development.	
27	उद्योग का अभिप्र <mark>ाय उस आर्थिक क्रिया से है जिसमें वस्तुओं</mark> एवं	(1+2+1)
	सेवाओं का उत् <mark>पादन किया जाता है। उद्योग तीन प्रकार के होते हैं:</mark>	(1+2+1)
	i. <mark>प्राथमिक उद्योग:</mark> प्राथमिक उद्योगों को जननिक एवं	
	निष्कर्षण दो भागों में बांटा जाता है। जननिक उद्योग	1 M1 C
		1 Mark for primary
	में पशुपालन, मुर्गी पालन, पौधारोपण आदि शामिल है	industry, 2
	जबिक निष्कर्षण उद्योग में खनन, कृषि आदि शामिल	marks for
	है।	secondary and 1 mark
	ii. द्वितीयक उद्योगः इसको निर्माण उद्योग तथा रचनात्मक	
	उद्योग दो भागों में वर्गीकृत किया जाता है। रचनात्मक	industary
	उद्योग भवन सड़कें पुल आदि बनाने से संबंधित है	
	जबिक निर्माण उद्योग में निम्न शामिल है:-	
	a) विश्लेषणात्मक उद्योगः जैसे कच्चे तेल से पेट्रोल,	
	डीजल, गैस आदि का निकाला जाना	
	b) प्राविधिक उद्योग: गन्ने से चीनी तैयार करना	
	c) सिम्मिश्रण उद्योगः चूना, पत्थर, जिप्सम और कोयले	
	को मिलाकर सीमेंट बनाया जाता है।	
	d) संयोजक उद्योग क्षेत्र के उद्योग: जैसे साइकिल,	
	रेडियो, टेलीविजन, स्क्टर आदि।	

iii. तृतीयक उद्योग: इन उद्योगों में सेवा क्षेत्र को शामिल किया जाता है। विभिन्न सेवाएं जैसे बैंकिंग, बीमा, विज्ञापन, संग्रहण तथा यातायात क्षेत्र सेवाओं में शामिल है।



Industry refers to that economic activity in which goods and services are produced. There are three types of industries:

i. **Primary Industries**: Primary industries are divided into Genetic and Extractive. The genetic industry includes animal husbandry, poultry, plantation, etc., while the extractive industry includes mining, agriculture, etc.

(1+2+1)

- ii. **Secondary Industry**: It is classified into two parts Manufacturing industry and Construction industry. Construction industry is concerned with building roads, bridges, buildings etc. while construction industry includes:
 - a) Analytical industries: Such as extraction of petrol, diesel, CNG, LPG etc. from crude oil
 - b) Processing industry: Such as making of sugar from sugarcane, cloth from yarn etc.
 - c) Synthetic Industry: Such as Cement is made by mixing limestone, gypsum and coal etc.
 - d) Assembly Industries: Such as cycles, radios, televisions, scooters, etc. (Automobile & Electronic products)

	iii. Tertiary Industries : These industries include the service sector. Various services such as banking, insurance, advertising, warehousing and transport are included in tertiary sector.	
28	घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतरः	(1x4)
	i. क्रेता तथा विक्रेता की राष्ट्रीयता	
	ii. उत्पादन के साधनों की गतिशीलता	(1 2
	iii. बाजार में ग्राहकों की प्रकृति में भिन्नता	(1 अंक प्रत्येक
	iv. भिन्न व्यापार प्रणालियां	बिंदु के लिए)
	v. मुद्रा में भिन्नता	
	vi. जोखिम आदि	
	Difference between Domestic and International Trade: i. Nationality of buyer and seller ii. Mobility of the means of production iii. Variation in the nature of customers in the market iv. Different trade systems v. Currency variation vi. Risk etc.	½ Mark for heading, ½ mark for explanation
29	सार्वजनिक उपक्रम देश के आर्थिक विकास का आधार होते हैं परंतु	
	संतुलित आ <mark>र्थिक विकास के लि</mark> ए इनकी कमियों को दूर किया जाना	(1,,4)
	आवश्यक है। इसी संदर्भ में सरकार द्वारा उठाए गए मुख्य कदम	(1x4) ½ Mark for
	निम्नलिखित है:	heading, ½
	i. आरक्षित उद्योगों की संख्या में कमी	mark for explanation
	ii. पेशेवर प्रबंध	1
	iii. एमओयू अवधारणा को लागू करना	
	iv. सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण	
	v. नेशनल रिन्यूअल फंड का प्रावधान	
	vi. औद्योगिक व वितीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा पुनरुद्धार	
	Public enterprises are the basis of economic development of the country but for balanced economic development, it is necessary to remove their shortcomings. Following are the main steps taken by the government in this context: i. Reduction in the number of reserved industries ii. Professional management	

	iii. Implementing MoU Concept			
	iv. Privatization of public enterprises	any 4 points		
	v. Provision of National Renewal Fund	½ Mark for heading, ½		
	vi. Revival by the Board of Industrial and Financial	mark for		
	Reconstruction	explanation		
	अथवा			
	OR	(1,,1)		
	विभागीय उपक्रमों की सीमाएं:	(1x4)		
	i. शीघ्र कार्यवाही की कमी			
	ii. लोच शीलता की कमी	½ Mark for		
	iii. प्रेरणा का अभाव	heading, ½		
	iv. प्रतियोगी भावना की कमी	mark for explanation		
	v. अधिक राजनीतिक हस्तक्षेप	- 211P1MIMMOII		
	vi. लालफीताशाही			
	Limitations of Departmental Undertakings:			
	i. Lack of prompt action			
	ii. Less flexibility			
	iii. Lack of motivation	Any 4		
	iv. Lack of competitive spirit			
	v. Political interference			
	vi. Red tapism			
30	एक वाणिज्यिक बैंक में खोले जाने वाले खातेः	(1x4)		
	i. बचत <mark>जमा खाता: यह खा</mark> ता छोटी छोटी बच <mark>तों को</mark>			
	प्रोत्साहन देने के लिए खोला जाता है। इस पर बैंक	any 4 points		
	साधारण दर से ब्याज देता है। बैंक में धन कभी भी जमा	(½ Mark for heading, ½		
		mark for		
	करवाया अथवा निकलवाया जा सकता है।	explanation)		
	ii. निश्चितकालीन जमा खाताः इस खाते में एक निश्चित अविध			
	के लिए रुपया जमा करवाया जाता है। उस निश्चित अवधि			
	तक धन बैंक में ही रखा जाता है और यदि अवधि पूरी			
	होने से पहले ही इसकी आवश्यकता पड़ जाए तो जमाकर्ता			
	कुछ कटौती काट कर राशि प्राप्त करता है। इस खाते में			
	बैंक अधिक दर से ब्याज देता है।			
	iii. आवर्ती जमा खाताः इस खाते में जमाकर्ता एक निश्चित			
	समय के लिए प्रतिमाह निश्चित राशि जमा करवाते हैं। यह			
	The state of the s			

- राशि निर्धारित समय से पहले निकलवा ही नहीं जा सकती। इस खाते में बचत खाते की अपेक्षा अधिक ब्याज प्राप्त होता है।
- iv. चालू जमा खाताः यह खाता व्यवसायी किसी जमानत के आधार पर बैंक में खुलवाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर बहुत कम अविध के लिए जमा राशि से अधिक राशि भी निकलवाई जा सकती है।

Accounts to be opened in a commercial bank:

- i. **Saving Bank Account**: This account is opened to encourage small savings. The bank gives interest on this at a normal rate. Amount can be deposited or withdrawn at any time.
- ii. **Fixed Deposit Account**: In this account, money is deposited for a fixed period. It is kept in the bank till that fixed period and if it is required before the completion of the period, the depositor receives the amount after deducting some deduction. The bank gives a higher rate of interest in this account.
- iii. Recurring Deposit Account: In this account, the depositor deposits a fixed amount every month for a fixed period of time. This amount cannot be withdrawn before the stipulated time. This account earns more interest than the savings account.
- iv. Current Account: This account is opened by the businessmen in the bank on the basis of some security. If required, the amount in excess of the deposited amount can also be withdrawn for a very short period.

अथवा

Or

(A) अधिकार समर्पण के सिद्धांत: इसका अभिप्राय है कि जब बीमाकर्ता किसी क्षति से संबंधित दावे का भुगतान कर देता है तो बीमा की विषय वस्तु से संबंधित सभी अधिकार बीमा कर बीमाकर्ता को हस्तांतरित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए यदि एक व्यक्ति ने अपने मकान का बीमा करवाया और मकान आग से पूरी तरह नष्ट हो गया तो कंपनी बीमा धारी को अग्नि बीमा की संपूर्ण राशि का भुगतान करेगी और मकान के अवशेषों पर बीमा कंपनी

(2x2)

का अधिकार	होगा।			
(B) <u>निकटत</u> म	न कारण का सिद्धांतः इसका अभिप्राय यह है कि हानि			
की जिम्मेदारी	निश्चित करने के लिए हानि के निकटतम कारण को			
देखा जाता है,	, ना कि दूरस्थ कारण को। उदाहरण के लिए यदि			
<u>स</u> मुद्री जानवर	र टक्कर मार मार कर जहाज में छेद कर देते हैं, तो			
इस क्षति का	इस क्षति का निकटतम कारण जहाज में पानी का भरना है।			
insurer pays relating to to the insure house again fire and if the paid to the over the results (B) Princip to fix the results of the loss a example, m	ole of Subrogation: It means that when the is a claim relating to a loss, all the rights the subject matter of insurance are transferred red. For example, if a person has insured his not fire and it gets completely destroyed by the he entire amount of fire insurance has been owner, the insurance company will have rights siduals and the remains of the house. The of Causa Proxima: It means that in order esponsibility for the loss, the proximate cause and not the remote cause is looked into. For narine animals hit and punch holes in a ship, nate cause of this damage is the water in the	2 marks for each point		
31 अंश कंपनी र्व	ते पूंजी का भाग होते हैं जो कंपनी में स्वामित्व का			
प्रमाण पत्र हो	ते <mark>हैं। ऋणपत्र कंप</mark> नी की मुद्रा के अंतर्ग <mark>त निर्मि</mark> त	(1±5)		
किया गया ऋ	हण क <mark>ी स्वीकृति का लिखित प्रमाण होता है।</mark>	(1+5)		
अंश एवं ऋण	पत्र में अंतर:			
i.	कंपनी से संबंध			
ii.	प्रतिफल	any five		
iii.	प्रबंध में भाग	differences		
iv.	कर लाभ			
V.	वापसी का क्रम आदि			
certificate of written inst	n part of the capital of a company and is a of ownership in the company. A debenture is a trument of acceptance of a loan drawn up under n seal of the company.			

	Difference between shares and debentures: i. Relationship with company ii. Return/Reward iii. Participation in management iv. Tax benefits v. Refund of amount invested etc.	
32	पार्षद सीमा नियम को कंपनी का चार्टर कहा जाता है। यह कंपनी	
	का मुख्य प्रलेख होता है जिसके बिना कंपनी का रजिस्ट्रेशन संभव	(1 + 5)
	नहीं है। पार्षद सीमा नियम में छह प्रमुख वाक्य होते हैं:	(1+5)
	i. नाम वाक्य	
	ii. स्थान वाक्य	
	iii. उद्देश्य वाक्य	
	iv. दायित्व वाक्य	
	v. पूंजी वाक्य	
	vi. संघ एवं हस्ताक्षर वाक्य	
	VI. VIA VA AVIIIAIV AIA A	
	Memorandum of Association is called as the Charter of	
	the Company. This is the main document of the	
	company without which the registration of the company	
	is not possible. M/A consists of six key clauses:	
	i. Name Clause ii. Place Clause	
	iii. Object Clause	
	iv. Liability Clause	
	v. Capital Clause	
	vi. Association & Subscription Clause	

33

बहुसंख्यक दुकाने एक ही प्रबंध के अधीन एक समान वस्तु को बेचने वाली अनेक दुकानें होती हैं। यह दुकाने एक शहर में अनेक स्थानों पर या अनेक शहरों में होती हैं। वस्तुओं का निर्माण एक ही जगह किया जाता है और निर्माता स्वयं अपनी फुटकर दुकानें खोल लेते हैं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए वस्तुओं की क्वालिटी, मूल्य तथा दुकान की सजावट सभी स्थानों पर एक जैसी रखी जाती है।

(1+5)

meaning and any 5 features

<u>विशेषताएं</u>:

- i. केंद्रीयकृत निर्माण
- ii. निर्माता द्वारा स्वामित्व
- iii. नकद विक्रय
- iv. फुटकर आधार पर विक्रय
- v. आकार, गुण व मूल्य में समानता
- vi. दुकान की <mark>सज</mark>ावट में समानता
- vii. सामान्य <mark>उपयोग की वस्त</mark>ुएं

Multiple shops or Chain stores are defined as a type of retail organisation that is composed of a chain of retail stores, owned and operated under a single management company. The goods are manufactured at one place and the manufacturers themselves open their own retail shops. To attract the customers, the quality, price and decoration of the shop are kept the same at all the places.

Features:

- i. Centralized manufacturing
- ii. Cash sales
- iii. Retail shops
- iv. Similarity in size, quality and price
- v. Similarity in shop decor
- vi. Articles of general use

अथवा

Or

विभागीय भंड	<u>डार के लाभ</u> :	
i.	बड़े पैमाने पर व्यापार	
ii.	विशिष्टिकरण के लाभ	
iii.	केंद्रीय स्थिति	
iv.	विज्ञापन में सरलता	
v.	घर पर सुपुर्दगी	
vi.	क्रय सुविधा	
vii.	ठगे जाने का भय नहीं	
विभागीय भंड	<u>डार के दोष</u> :	
i.	अत्याधिक पूंजी	
ii.	साधारण ग्राहकों से दूर	
iii.	अधिक परिचालन व्यय	
iv.	महंगी वस्तुएं	
v.	व्यक्तिगत ध्यान का भाव	
vi.	सामाजिक भेदभाव	
A 1	CD 4 1 G	(3+3)
_	es of Departmental Stores: rge scale business	
	nefits of specialization	any 3 points each of
	entral position	merits and
	ase in advertising	limitations
	cility of home delivery of products	
vi. Va	ariety of products at one place	
vii. N	o fear of being cheated	
Demerits of	of Departmental Stores:	
	ccess capital	
ii. A	way from ordinary customers	
	igher operating expenses	
	xpensive items	
v. La	ack of personal attention	

34 एकाकी व्यवसाय व्यवसायिक संगठन के उस प्रारूप को कहा जाता है जिसका स्वामी एक अकेला व्यक्ति होता है, जो उसका प्रबंध करता है, (1+5)पूंजी लगाता है तथा संपूर्ण लाभ हानि प्राप्त करता है। एकाकी व्यवसाय को शीघ्र निर्णय, गोपनीयता, प्रत्यक्ष प्रेरणा, व्यक्तिगत नियंत्रण Meaning & एवं स्थापना में स्गमता का लाभ मिलता है परंत् अनेक लाभ होते any 5 हए भी इसकी कुछ सीमाएं हैं: limitations i. पूंजी के सीमित साधन अस्थाई अस्तित्व सीमित दायित्व iii. iv. असंतुलित प्रबंध सीमित प्रबंध क्षमता Sole Proprietorship is that form of business organization which is owned by a single person, who manages it, invests capital and receives the entire profit and loss. Sole Proprietorship has the advantage of quick decision making, privacy, direct motivation, personal control and ease of establishment but despite having many advantages, it has some limitations: i. Limited means of capital ii. Temporary existence iii. Limited liability v. Unbalanced management vi. Limited managerial capacity

अथवा Or

अविछिन्न उत्तराधिकारः

कंपनी का जीवन व्यवसायिक संगठन के सभी प्रारूपों में सबसे अधिक स्थाई होता है। इस पर सदस्यों के आने या जाने का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वैधानिक व्यक्ति होने के कारण कंपनी का समापन केवल अधिनियम के द्वारा ही हो सकता है। कंपनी के अस्तित्व के बारे में कहा गया है कि:

> "Members may come, Members may go, But the Company goes on forever"

(2x3)

Explanation of Any 3 points

सीमित दायित्वः

कंपनी में अंशधारियों का दायित्व उनके द्वारा खरीदे गए अंशों के मूल्य तक सीमित होता है। केवल गारंटी द्वारा सीमित या असीमित दायित्व वाले कंपनी में ऐसा नहीं होता। कंपनी को बहुत अधिक हानि होने की दशा में भी अंशधारियों से केवल उनके अंशों की बकाया राशि ही मंगवाई जा सकती है।

कृत्रिम व्यक्तिः

कंपनी को कृत्रिम वैधानिक व्यक्ति माना जाता है क्योंकि कंपनी व्यक्तियों की भांति प्रलेखों पर हस्ताक्षर कर सकती है और अपने नाम में संपत्ति रख सकते हैं। लेकिन मनुष्यों की भांति यह जीवित नहीं रहती इसलिए इसे कृत्रिम व्यक्ति कहते हैं।

पृथक अस्तित्वः

कंपनी का अस्तित्व अपने सदस्यों से अलग होता है। कंपनी अपने सदस्यों पर दावा भी प्रस्तुत कर सकती है। रजिस्ट्रेशन के बाद कंपनी को पृथक वैधानिक अस्तित्व मिल जाता है।

Perpetual Succession:

The life of a company is the most permanent of all forms of business organization. It is not affected by the entering or leaving of members. Being a legal person, the company can be wound up only by an act. The existence of the company is said to have:

"Members may come, Members may go, But the Company goes on forever"

Limited liability:

The liability of the shareholders in the company is limited to the value of the shares purchased by them. Except in the case of a company limited by guaranteed or unlimited liability company. Even in the case of huge loss to the company, only the outstanding amount of their shares can be called from the shareholders.

Mention any three

Artificial person:

A company is considered to be an artificial legal person as the company can sign documents and hold property in its name like a person. But it does not survive like humans, hence it is called an artificial person.

Separate existence:

The existence of a company is separate from that of its members. The company can also file a case against its members. After registration the company gets a separate legal entity.

Downloaded from cclchapter.com